प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2024

कक्षा–12

संस्कृत–केवल प्रश्न पत्र

समय–तीन घण्टे 15 मिनट | पूर्णांक–100

निर्देश–

प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न–पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. निम्नलिखित गद्यखण्ड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 5×2=10

अथ च उदयगिरिशिखरम् आरूढे भगवति सप्तसप्तौ अग्रतः अर्धगव्यूतिमात्र एव आयातं स्कन्धावारम् अद्राक्षीत्। जवविशेषग्राहिणा इन्द्रायुधेन सत्वरम् आसाद्य, स्कन्धावारं प्रविश्य, 'क्व वैशम्पायनः' इत्यपृच्छत्। ततः ते स्कन्धावारवर्तिनः सर्वे जनाः सममेव 'अस्मिस्तरुतले अवतरतु तावत् देवः, ततः यथावस्थितं विज्ञापयामः" इति न्यवेदयन्। चन्द्रापीडस्तु तेन कष्टतरेण वचसा अन्तःशल्य इव भूत्वा पुनः तान् अप्राक्षीत्– "किं वृत्तम् अस्य, येनासौ नागतः क्व वा स्थितः? कथं वा तम् एकाकिनम् उत्सृज्य, आयाताः भवन्तः?" इति।

(क) कः स्कन्धावारम् अद्राक्षीत् ?

उत्तर–चन्द्रापीडः स्कन्धावरम् अद्राक्षीत्।

(ख) कतिदूरीमात्र आयातं स्कन्धावारम् अद्राक्षीत् ?

उत्तर–अर्धगव्यूतिमात्र आयातं स्कन्धावरम् आद्रक्षीत्।

(ग) स्कन्धावारं प्रविश्य चन्द्रापीडः किम् अपृच्छत् ?

उत्तर–स्कन्धावारं प्रविश्य चन्द्रपीडः अपृच्छत्–" क्व वैशम्पायनः?

(घ) चन्द्रापीडः केन वचसा अप्राक्षीत?

उत्तर–चन्द्रापीडः कष्ठतरेण वचसा अप्राक्षीत्।

(ङ) चन्द्रापीडः तान् किम् अप्राक्षीत् ?

उत्तर–चन्द्रापीडः तान् अप्राक्षीत्–"किं वृत्तम् अस्य, येनासौ नागतः क्व वा स्थितः। कथं व तम् एकाकिनम् उत्सृज्य, आयाताः भवन्तः?

अथवा

तत्रस्थ एव दूरादेव अवतीर्य तुरङ्गमात् आपतन्तं विषादशून्येन मुखेन कष्टाम् अवस्थाम् अनक्षरम् यावेदयन्तं केयूरकम् अद्राक्षीत्। दृष्ट्वा च दर्शितप्रीतिः 'एहि एहि' इति आहूय दूरप्रसारिताभ्यां दोर्भ्यां पर्यष्वजततम्। अपसृत्य पुनः कृतनमस्कारे तस्मिन्, तेन सह

Gyansindhu Coaching Classes

स्वभवनम् अयासीत्। तत्र निर्वर्तिताशेषदिवसकरणीयः पत्रलेखाद्वितीयः केयूरकम् आहूय अब्रवीत् – "केयूरक! कथय, देव्याः कादम्बर्याः महाश्वेतायाश्च सन्देशम" इति।

(क) अस्य गद्यांशस्य लेखकः कः?

उत्तर–अस्य गद्यांशस्य लेखकः महाकवि बाणभट्टः।

(ख) रेखाङ्कितस्य अंशस्य अनुवादः करणीयः।

उत्तर–**रेखांकित अंश की व्याख्या–**वहाँ रहते हुए ही दूर से उतरकर घोड़े से उतरते हुए दुःख से रहित मुख से कष्ट की अवस्था को बिना शब्द प्रयोग किए व्यक्त करते हुए केयूरक को देखा।

(ग) चन्द्रापीडः केयूरकं कथं पर्यष्वजततम्?

उत्तर–चन्द्रापीडः केयूरकं दूरप्रसारिताभ्यां दोर्भ्यां पर्यश्वजततम्।

(घ) चन्द्रापीडः केन सह स्वभवनम् अयासीत्?

उत्तर–केयूरकेण सह स्वभवनम् अयासीत्।

(ङ) चन्द्रापीडः केयूरकम् आहूय किम् अब्रवीत्?

उत्तर–चन्द्रापीडः केयूरकम् अब्रवीत्–"केयूरक! कथय, देव्या कादम्बर्याः महाश्वेतायाः च सन्देशम्।" इति।

2. अपनी पाठ्यपुस्तक के आधार पर किसी एक पात्र का हिन्दी में चरित्र–चित्रण कीजिए–(अधिकतम 100 शब्द) 4

(क) महाश्वेता

उत्तर– गन्धर्व–कन्या

लाडली पुत्री

अतिथिसेवापरायण तपस्विनी

चंचल स्वभाव

असाधारण प्रेमिका

महाधीरा

(ख) चन्द्रापीड

पराक्रमी राजपुत्र

उदार एवं विनम्र

सौन्दर्य–प्रेमी एवं सच्चा प्रेमी

सच्चा मित्र

(ग) शुकनास।

प्रधान आमात्य

स्वामी–हितैषी

शास्त्रज्ञ

Gyansindhu Coaching Classes

राजनीतिज्ञ

3. 'बाणस्तु पञ्चाननः' उक्ति की विवेचना हिन्दी अथवा संस्कृत में कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) 4

4. निम्नलिखित प्रश्नों का सही विकल्प चुनकर लिखिए – 2×1=2

(i) स्वप्ने विलासवत्याः वदने प्रविशन्तं शशिनं कः अद्राक्षीत्–

(क) तारापीडः

(ख) चन्द्रापीडः

(ग) शुकनासः

(घ) वैशम्पायनः।

(ii) चन्द्रापीडस्य अश्वस्य नाम किम्–

(क) चक्रायुधः

(ख) वज्रायुधः

(ग) इन्द्रायुधः

(घ) कपिञ्जलः।

5. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की हिन्दी में सन्दर्भसहित व्याख्या कीजिए–2+5=7

(क) वत्सस्य होमार्थविधेश्च शेषमृषेरनुज्ञामधिगम्य मातः!
ऊधस्यमिच्छामि तवोपभोक्तुं षष्ठांशमुर्व्या इव रक्षितायाः।।

उत्तर–**हिन्दी अनुवाद**–हे माँ! मैं जब तक महर्षि वसिष्ठ से अनुमति प्राप्त न कर लूँ तब तक तुम्हारा दूध नहं पीना चाहता। अभी तुम्हारा बछड़ा भी भूखा होगा और यज्ञकार्य के लिए महर्षि को भी तुम्हारे दूध की आवश्यकता होगी, अतः मैं वही दूध पीने का अधिकारी हूँ, जो बछड़े के पीने से और यज्ञकार्य के अनुष्ठान से बचेगा। मैं राजा होने के कारण जिस प्रकार पृथ्वी से प्राप्त सम्पत्ति का छठा भाग कर के रूप में ग्रहण करता हूँ, ऐसे ही बछड़े और गुरूदेव से बचे हुए ही तुम्हारे दूध पर मेरा अधिकार होना चाहिए, सब पर नहीं।

(ख) सेयं स्वदेहार्पणनिष्क्रयेण न्याय्या मया मोचयितुं भवत्तः।
न पारणा स्याद्विहता तवैवं भवेदलुप्तश्च मुनेः क्रियाऽर्थः।।

6. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भसहित संस्कृत में व्याख्या कीजिए– 2+5=7

(क) प्रदक्षिणीकृत्य हुतं हुताशमनन्तरं भर्तुररुन्धतीं च।
धेनुं सवत्सां च नृपः प्रतस्थे सन्मङ्गलोदग्रतरप्रभावः ।।

Gyansindhu Coaching Classes

उत्तर–**संस्कृत–व्याख्या–** प्रस्थानकाले नृपतिनाऽऽज्यादिभिः पवित्रैः पदार्थैः सन्तर्पितस्य पावकस्य, तदनु वसिष्ठस्य, अनन्तरमरुन्धत्याः पुनश्च सवत्साया नन्दिन्याः प्रदक्षिणा कृता । एतेन मधुरेण माङ्गलिककृत्येन तदा तस्य दिव्यतरोऽनुभावः प्रबलतरं बभौ । पुनश्चासौ राजधानीं प्रत्यचलत्।।

(ख) तस्मिन्क्षणे पालयितुः प्रजानामुत्पश्यतः सिंहनिपातमुग्रम् ।
अवाङ्मुखस्योपरि पुष्पवृष्टिः पपात विद्याधरहस्तमुक्ता ।।

7. 'कालिदास' की शैली का वर्णन कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) 4

8. निम्नलिखित दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए– 2×1=2

(i) सौरभेयीं कः जुगोप्–

(क) दशरथः

(ख) अजः

(ग) दिलीपः

(घ) रघुः।

(ii) महाकवि कालिदास की रचनाएँ हैं–

(क) तीन

(ख) पाँच

(ग) छह

(घ) सात।

9. अधोलिखित में से किसी एक अंश की हिन्दी में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए–2+5=7

(क) वनज्योत्स्ने, चूतसंगतापि मां प्रत्यालिङ्गेतोगताभिः शाखाबाहुभिः।
अद्यप्रभृति दूरपरिवर्तिनी भविष्यामि।

उत्तर–**हिन्दी–व्याख्या–** अरी बनज्योत्स्ना! तू अपने प्रिय आम से मिल गई है, फिर भी इधर आती हुई अपनी शाखा–भुजाओं से मेरा आलिंगन कर। अब तो मैं तुझसे बहुत दूर चली जाऊँगी। पता नहीं, फिर कब मिलना होगा।

(ख) अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य सम्प्रेष्य परिगृहीतु।

Gyansindhu Coaching Classes

जातो ममायं विशदः प्रकामं प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।।

10. निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए–

(क) सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते।

उत्तर–**हिन्दी व्याख्या**–यह तुम्हारा दत्तक पुत्र मृगशावक है, तो तुम्हारा मार्ग नहीं छोड़रहा है। यह वही मृगशावक हैं, जिसको मुंह में घवों को भरनेवाला इंगुदी का तेल लगाकर उसका उपचाार किया था। आज वही तुम्हारा मार्ग रोक रहा है।

(ख) गुर्वपि विरहदुःखमाशाबन्धः साहयति।

(ग) अतिस्नेहः पापशङ्की।

11. चतुर्थ अंक का सारांश लिखिए। (अधिकतम 100 शब्द) 4

12. दिए गए प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए– 2×1=2

(i) चतुर्थे अङ्के कस्य रसस्य निष्पत्तिः अभवत् –

(क) संयोग श्रृंगाररस्य

(ख) वियोग श्रृंगाररस्य

(ग) अद्‌भुतरसस्य

(घ) हास्यरसस्य।

(ii) शकुन्तलायाः माता का?

(क) मेनका

(ख) उर्वशी

(ग) सुमित्रा

(घ) प्रियंवदा।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 10 वाक्यों में संस्कृत में निबन्ध लिखिए – 10

(क) भ्रष्टाचारः

Gyansindhu Coaching Classes

(ख) सदाचारः

(ग) हिमालयः

(घ) पर्यावरण–महत्त्वम्।

14. रूपक अथवा उपमा अलंकार का सोदाहरण लक्षण लिखिए। 2

15. अधोलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 4×2=8

(i) सुरेश आँख से काना है।

(ii) वे लोग वाहन से आते हैं।

(iii) हम गरीब को भोजन देते हैं।

(iv) गंगा हिमालय से निकलती है।

(v) ग्वाला गाय से दूध दूहता है।

(vi) मैं पिता के साथ बाजार जाता हूँ।

(vii) फल सबको अच्छे लगते हैं।

(viii) गाँव के पास वन है।

16. (क) अधोलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों में से किसी एक की नियमनिर्देशपूर्वक विभक्ति बताइए – 2

(i) रमा <u>पुष्पेभ्यः</u> स्पृह्यति ।

(ii) मोहनः <u>अश्वात्</u> पतति ।

(iii) साधुः कृष्णे <u>मातरि</u> ।

(ख) 'आत्मने सर्वं प्रियम' वाक्य में 'आत्मने' में कौन–सी विभक्ति है? 1

(i) तृतीया

(ii) सप्तमी

(iii) पञ्चमी

(iv) चतुर्थी।

Gyansindhu Coaching Classes

17. (क) निम्नलिखित पदों में से किसी एक पद में समास–विग्रह कीजिए– 2

(i) अधिहरिः

(ii) चतुर्मुखः

(iii) देवासुरौ

(iv) निर्जनम्।

(ख) 'पितरौ' पद में कौन–सा समास है–

(i) द्विगु

(ii) तत्पुरुष

(iii) अव्ययीभाव

(iv) द्वन्द्व।

18. (क) 'सश्च्चित' में सन्धि–विधायक सूत्र लिखिए।

(ख) 'पेष्टा' शब्द का सन्धि विच्छेद होगा–

(i) पेस् + टा

(ii) पेष् + टा

(iii) पेश् + टा

(iv) इनमें से कोई नहीं।

19. (क) 'जगति' जगत् शब्द के किस विभक्ति एवं वचन का रूप है? 2

उत्तर–सप्तमी, एकवचन

(ख) 'युष्मद्' प्रातिपदिक के तृतीया, एकवचन का रूप है– 1

(i) त्वाम्

(ii) त्वया

(iii) तुभ्यम्

(iv) तव।

20. (क) 'श्रयेत' क्रियापद का पुरुष एवं वचन लिखिए। 2

उत्तर–विधिलिङलकार्, मध्यम पुरुष, बहुवचन।

Gyansindhu Coaching Classes

(ख) 'शयीत' रूप 'शी' धातु के किस लकार, पुरुष तथा वचन का है– 1

(i) विधिलिङ्लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन

(ii) लट्लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन

(iii) लोट्लकार, उत्तम पुरुष, द्विवचन

(iv) लट्लकार, प्रथम पुरुष, द्विवचन।

21. (क) किन्हीं दो से शब्द रचना कीजिए– 2

(अ) लिख् + अनीयर्

(ब) पिप्पल + ङीष्

(स) जि + तुमुन्।

(ख) 'दृश् + तुमुन' का रूप होगा– 2

(i) दर्शितुम्

(ii) द्रष्टुम्

(iii) दर्शयितुम्

(iv) दृष्टुम् ।

22. अधोलिखित में से किसी एक का वाच्य–परिवर्तन कीजिए– 2

(i) मया जलमं पीयते।

उत्तर–अहं जलमं पिबामि।

(ii) सः विद्यालयं गच्छति।

उत्तर–तेन विद्यालयं गम्यते।

(iii) त्वया पत्रं लिख्यते।

उत्तर–त्वं पत्रं लिखसि।

Gyansindhu Coaching Classes